सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-442
13/10/2018

महाबोधि कन्वेंशन केंद्र बनकर तैयार होगा तो लोगों को इसका लाभ भी मिलेगा और खुशी भी होगी :– मुख्यमंत्री

पटना, 13 अक्टूबर 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बोधगया में महाबोधि कन्वेंशन केंद्र का रिमोट के माध्यम से कार्यारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सबों के लिए खुशी की बात है कि स्वदेश दर्शन योजना के तहत केंद्र सरकार के सहयोग से इस सांस्कृतिक केंद्र का कार्यारंभ हुआ है। यह इंटरनेशनल कन्वेंशन केंद्र सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ अन्य गतिविधियों के लिए उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में 2000 लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, 500–500 की क्षमता वाला सभागार एवं अन्य सभागार भी होंगे, यह बहुत भव्य होगा। इस स्थल का चयन भी उत्तम है। बगल में सरोवर है, यह अद्‌भुत होगा और बाकी की जगह में 100 कमरे का अतिथिगृह बनेगा, जो फाइव स्टार से कम विशिष्ट नहीं होगा। इसके ठीक बगल में तारामंडल भी बनेगा, जिसके द्वारा नई पीढ़ी को पृथ्वी एवं अन्य चीजों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि आज महाबोधि मंदिर में दर्शन के पश्चात मंदिर की सुरक्षा संबंधी समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में ही पितृपक्ष मेले में बेहतर किए गए इंतजाम के बारे में भी जानकारी मिली। यहां पितृपक्ष मेले में करीब छह लाख लोग आए थे और अब बौद्ध लोगों का आना शुरु हो गया है। सभी की सुरक्षा के बेहतर बंदोबस्त किये गये हैं। अब गया और बोधगया देश का वह केंद्र बनेगा जहां देश–विदेश से आने वाले लोगों की गतिविधि बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वह भूमि है, जहां बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ और वे बुद्ध कहलाए। बोधगया और गया जैसी कोई स्थली नहीं है, हमलोग भावनात्मक रुप से इस शहर से जुड़े हैं। आगे जो भी संभव होगा, इसके लिए करते रहेंगे। मंदिर की सुरक्षा के दृष्टिकोण से वाहनों को पहले ही रोक दिया जाता था, अब बुजुर्गों, दिव्यांगों एवं अन्य यात्रियों के लिए ई–रिक्शा की व्यवस्था को थोड़ी और दूर के लिए बढ़ा दिया गया है ताकि होटल व्यवसायियों को भी किसी प्रकार की कठिनाई न हो। बोधगया में पिछले वर्ष परम पावन दलाई लामा आए थे और इस वर्ष भी बौद्ध धर्मावलंबी बड़ी संख्या में आएंगे। सबकी सुविधाओं का ख्याल रखा जाएगा, बेहतर प्रबंध किया जाएगा ताकि किसी को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं हो। हाल ही में पितृपक्ष मेला संपन्न हुआ है, जिसमें प्रशासन ने बेहतर इंतजाम किया था और यहां देश–दुनिया से आए पिंडदानियों को कोई तकलीफ नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि ज्ञान एवं मोक्ष की इस भूमि पर जब महाबोधि कन्वेंशन केंद्र बनकर तैयार होगा तो लोगों को इसका लाभ भी मिलेगा और खुशी भी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग समाज सुधार के काम में भी लगे हैं। शराबबंदी के बाद लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। लोग पहले अपनी गाढ़ी कमाई शराब पीने में खर्च करते थे, अब उसका सदुपयोग बेहतर जीवन शैली के लिए कर रहे हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई काम किए गए हैं। सवा आठ लाख जीविका के तहत स्वयं सहायता

समूह का गठन किया गया है, जिससे 83 लाख परिवार जुड़ चुके हैं और दस लाख स्वयं सहायता समूह बनाने का लक्ष्य है। इससे महिलाएं जुड़कर अपनी आमदनी बढ़ा रही हैं और उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है। बिहार की जीविका योजना से प्रभावित होकर केंद्र की पहले की सरकार ने आजीविका नाम से योजना की शुरुआत की। जीविका से जुड़ी महिलाएं स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ा रही हैं और जीविका की दीदियों के द्वारा वैसे परिवारों को चिन्हित किया जा रहा है जो बिल्कुल हाशिए पर हैं। वैसे परिवार जिन्हें किसी योजना की जानकारी नहीं है, उसका उन्हें लाभ भी नहीं मिल रहा है, उन परिवारों को, साथ ही शराब चुलायी एवं ताड़ी के कार्य से जुड़े परिवारों के लिए भी सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत वैकल्पिक रोजगार के लिए 60 हजार रूपये से लेकर एक लाख रुपए तक की सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। शिक्षकों के नियोजन में भी महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। राज्य की सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। लड़कियों को आगे पढ़ने के लिए पोशाक योजना, नौंवी कक्षा की लड़कियों के लिए साइकिल योजना शुरु की गई ताकि वो पढ़ सकें, आगे बढ़ सकें। कन्या उत्थान योजना के तहत जन्म लेने से स्नातक करने तक लड़कियां इस योजना का लाभ उठा सकेंगी। बापू ने कहा था कि नारी को पुरुष के समान अधिकार देना होगा, बराबरी की दृष्टि से जब तक नहीं देखेंगे, तब तक समाज आगे नहीं बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 जुलाई 2015 को महिला विकास निगम के नारी सशक्तिकरण के कार्यक्रम में कुछ महिलाओं की मांग पर हमने शराबबंदी को लागू किया। कानून इस पर कार्रवाई कर रहा है लेकिन सबको जागरुक रहने की जरुरत है। आप जीविका दीदियों से उम्मीद करते हैं कि लोगों को इसके बारे में प्रेरित करेंगी कि शराब बुरी चीज है और गलत धंधेबाजों के खिलाफ सूचना भी देंगे। शराब के अवैध धंधे से जुड़े परिवारों को वैकल्पिक रोजगार के लिए प्रेरित करेंगी। दहेज प्रथा, बाल विवाह के खिलाफ आप अभियान चलाती रहेंगी और आप समाज सुधार के कार्य को भी गति देती रहेंगी। आज जीविका दीदियों को सम्मानित किया गया है, वे वैकल्पिक रोजगार के तहत अपने रोजगार के काम में लगी हैं और प्रसन्न हैं। मुझे इसकी बेहद खुशी है। उन्होंने कहा कि हमारी दिलचस्पी विकास में है, काम करने में है और लोगों की सेवा में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी की 150वीं जयंती अगले दो वर्षों तक मनायी जाएगी। सभी सरकारी भवनों में एक तरफ गांधी जी का एक कथन ये धरती आपकी लोगों की जरुरत को पूरा करने में सक्षम है, आपकी लालच को नहीं। दूसरी तरफ गांधी जी के बताए गए सात सामाजिक पाप— सिंद्धांत के बिना राजनीति, काम के बिना धनानर्जन, विवेक के बिना सुख, चरित्र के बिना ज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार, मानवता के बिना विज्ञान, त्याग के बिना पूजा को अंकित कराया जाएगा। इससे लोग कुछ सीख लेंगे। आप जीविका की दीदियां अपने बेटे—बेटियों को इसके बारे में बताइयेगा। आज की 15 प्रतिशत नई पीढ़ी के लोग इसे अपना लें तो समाज में बड़ा बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा इतिहास गौरवशाली रहा है। प्रेम और सद्भाव के साथ सब मिल जुलकर काम करें तो फिर से उस गौरव को प्राप्त कर सकते हैं। इस जगह के लोगों की इसमें और बड़ी भूमिका होगी। मैं इस धरती को नमन करता हूँ और पर्यटन विभाग एवं भवन निर्माण विभाग को आज के इस कार्यारंभ के लिए एक बार पुनः बधाई देता हूं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का स्वागत प्रधान सचिव भवन निर्माण विभाग श्री चंचल कुमार ने प्रतीक चिन्ह एवं पुस्तक भेंटकर किया। इस अवसर पर महाबोधि

कन्वेंशन केंद्र के निर्माण से संबंधित एनिमेशन चित्र का भी प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने महाबोधि कन्वेंशन केंद्र के डिजायन का अवलोकन किया। सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत वैकल्पिक रोजगार प्राप्त करने वाली दीदियों को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, विधानसभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, कृषि मंत्री डॉ0 प्रेम कुमार, शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, भवन निर्माण मंत्री श्री महेश्वर हजारी, पर्यटन मंत्री श्री प्रमोद कुमार, प्रधान सचिव भवन निर्माण श्री चंचल कुमार, पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव श्री रवि मनु भाई परमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर सांसद श्री हरि मांझी, विधायक श्री विनोद प्रसाद यादव, विधायक श्री अभय कुशवाहा, विधायक श्री राजीव रंजन दांगी, विधान पार्षद श्रीमती मनोरमा देवी सहित अन्य विधायकगण, विधान पार्षदगण, प्रधान सचिव गृह श्री आमिर सुबहानी, आयुक्त मगध प्रमंडल श्री टी0एन0 बिंदेश्वरी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक, मगध रेंज श्री नैय्यर हसनैन खां, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, प्रबंध निदेशक बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम सुश्री इनायत खां, जिलाधिकारी श्री अभिषेक सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा सहित भवन निर्माण विभाग के वरीय पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, जीविका की दीदियां एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******